उत्तर प्रदेश

राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत दोनों सदनों के समक्ष

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

का

अभिभाषण

लखनऊ, सोमवार, 23 मई, 2022 : ज्येष्ठ 02, शक सम्वत् 1944

उत्तर प्रदेश

राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत दोनों सदनों के समक्ष

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

का

अभिभाषण

लखनऊ, सोमवार, 23 मई, 2022 : ज्येष्ठ 02, शक सम्वत् 1944

माननीय सदस्यगण,

उत्तर प्रदेश विधान सभा के सामान्य निर्वाचन के उपरान्त ऐतिहासिक रूप से पुनर्गठित विधान मण्डल के समवेत दोनों सदनों के प्रथम अधिवेशन के अवसर पर मैं आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन करती हूँ। इस अवसर पर मैं नई सरकार के गठन तथा नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई देती हूँ।

कोरोना काल खण्ड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रदेश में विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 सम्पन्न हुआ। इसके लिए 75 जनपदों के कुल 403 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में 1,74,803 मतदान बूथ स्थापित किए गए थे। मैं विधानसभा निर्वाचन को शान्तिपूर्वक तथा सकुशल सम्पन्न कराने के लिए प्रदेश की जनता, भारत निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े हुए सभी अधिकारियों/कर्मचारियों, केन्द्रीय पुलिस बल, राज्य पुलिस बल व अन्य समस्त सम्बन्धित को हृदय से बधाई देती हूँ।

उत्तर प्रदेश की विवेकशील जनता ने राष्ट्रवाद, सुशासन, सुरक्षा तथा विकास पर विश्वास व्यक्त करते हुए मेरी सरकार को पुनः सेवा का अवसर प्रदान किया है, यह अवसर किसी सरकार को 37 वर्ष के बाद प्राप्त हो पाया, जो यह सिद्ध करता है कि सरकार जन अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरी उतरी है।

मेरी सरकार द्वारा दूरदर्शी योजनाएं तैयार कर उन्हें निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से क्रियान्वित किया गया। जन साधारण के जीवनस्तर में सुधार लाए जाने की दिशा में राज्य

सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किए गए हैं। 'ईज ऑफ लिविंग' का लक्ष्य प्राप्त किया जाना विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं का केन्द्र बिन्दु है। सरकार के प्रभावी प्रयासों का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज विकास की चार दर्जन योजनाओं में देश में पहले स्थान पर है जो सुशासन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विगत 05 वर्षों में प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 42.5 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत 2.61 करोड़ व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया गया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से 1.67 करोड़ निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए। सौभाग्य योजना के माध्यम से 1.41 करोड़ निःशुल्क विद्युत कनेक्शन दिए गए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत 2.55 करोड़ किसानों को 42 हजार 565 करोड़ रुपये हस्तान्तरित किए गए तथा 86 लाख किसानों का फसली ऋण माफ किया गया।

पिछले पाँच वर्षों में मेरी सरकार द्वारा किए गए सार्थक प्रयासों के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय पटल पर एक सक्षम और समर्थ प्रदेश के रूप में उभर कर सामने आया है तथा अब उत्तर प्रदेश, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस उद्देश्य के साथ प्रदेश को 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए नियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश एक उत्कृष्ट निवेश एवं बिजनेस गंतव्य के रूप में उभरा है, **ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस** रैंकिंग में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व प्रगति करते हुए देश में **द्वितीय स्थान** प्राप्त किया है।

प्रदेश में आए निजी निवेश के माध्यम से 01 करोड़ 61 लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया गया। 60 लाख से अधिक युवाओं को स्वरोजगार से भी जोड़ा गया। निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया अपनाकर विगत 05 वर्षों में प्रदेश के युवाओं को साढ़े चार लाख सरकारी नौकरियों से जोड़ा गया है। इसके परिणामस्वरूप मेरी सरकार में बेरोजगारी की दर में उल्लेखनीय कमी आई है। सेण्टर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सी0एम0आई0ई0) के आकलन के अनुसार जून 2016 में प्रदेश की बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत थी, जो अप्रैल 2022 में घटकर 2.9 प्रतिशत रह गई है।

- कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मेरी सरकार द्वारा जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर प्रदेश में अपराधमुक्त, भयमुक्त व अन्यायमुक्त वातावरण तथा कानून का राज स्थापित किया गया है। मेरी सरकार के कार्यकाल में सभी पर्व एवं त्योहार शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुए।

- अपराध पर प्रभावी अंकुश लगने से प्रदेश में आपराधिक मामलों में निरन्तर कमी आ रही है। वर्ष 2016 के सापेक्ष वर्ष 2021 में डकैती के मामलों में 73.94 प्रतिशत, लूट की घटनाओं में 65.88 प्रतिशत, हत्या के मामलों में 33.95 प्रतिशत तथा बलात्कार के अपराध में 50.66 प्रतिशत की कमी आयी।

- चुस्त–दुरुस्त कानून–व्यवस्था से नागरिकों में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हुई, प्रदेश में विकास का माहौल बना तथा

राज्य निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य के तौर पर उभरा है।

- प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु प्रारम्भ किए गए **'मिशन शक्ति'** के तीन चरण पूर्ण हो चुके हैं, सभी जनपदों के समस्त 1535 थानों पर **'महिला बीट आरक्षी'** नामित करते हुए, **'महिला हेल्प डेस्क'** की स्थापना की गयी है। कानून एवं शान्ति व्यवस्था में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी हेतु **03 महिला पी0ए0सी0 बटालियन** (लखनऊ, गोरखपुर व बदायूँ) का गठन किया जा रहा है।

- लखनऊ में अत्याधुनिक उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज की स्थापना की जा रही है।

- प्रदेश के चिन्हित माफिया व उनके गैंग के सदस्यों सहित विभिन्न प्रकार के माफियाओं तथा अपराधियों द्वारा अवैध कृत्य से अर्जित की गयी सम्पत्तियों के जब्तीकरण/ ध्वस्तीकरण व अवैध कब्जे से 02 हजार 81 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की सम्पत्तियां अवमुक्त कराई गईं।

- होमगार्ड्स संगठन पुलिस बल के सहयोगी बल के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। होमगार्ड्स को कानून–व्यवस्था की ड्यूटी पर नियुक्त किए जाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था लागू की गयी है। आपदा प्रबन्धन के

क्षेत्र में बढ़ती भूमिका के दृष्टिगत होमगार्ड्स को एन0डी0आर0एफ0 के कुशल प्रशिक्षकों से प्रशिक्षित कराया गया है।

- होमगार्ड्स की समस्याओं के प्रति सरकार संवेदनशील है तथा उनके कल्याण हेतु कई कल्याणकारी योजनाएं प्रभावी हैं।
- किसानों के हित को सर्वोपरि रखते हुए गोरखपुर में कई वर्षों से बन्द पड़े उर्वरक कारखाने का पुनः संचालन प्रारम्भ कराया गया है।
- उत्तर प्रदेश खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर ही नहीं, अपितु सरप्लस राज्य के रूप में देश में अपना स्थान बनाए हुए है। प्रदेश में वर्ष 2020–21 में 619.47 लाख मी0 टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ है।
- मेरी सरकार द्वारा 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों को स्थापित करते हुए उन्हें क्रियाशील किया गया है। कृषि शिक्षा के सुदृढ़ीकरण हेतु जनपद लखीमपुर खीरी तथा आजमगढ़ में नवस्थापित कृषि महाविद्यालयों को गत वर्ष से क्रियाशील बनाया गया है। जनपद गोण्डा में एक नवीन कृषि महाविद्यालय की स्थापना की जा रही है।
- कृषकों को उपज का सही मूल्य दिलाने के लिए राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई–नैम) के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश की 125 मण्डियों में वित्तीय वर्ष 2021–22 में लगभग 432 करोड़ रुपये का डिजिटल व्यापार किया गया है।

- **मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना** के अन्तर्गत कृषकों की दुर्घटनावश मृत्यु/दिव्यांगता की दशा में अधिकतम **05 लाख रुपये** दिए जाने का प्राविधान है। वित्तीय वर्ष **2022–23** में इस योजना के अन्तर्गत 600 करोड़ रुपये की धनराशि से **12 हजार** लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा।

- चीनी उद्योग उत्तर प्रदेश का कृषि आधारित महत्वपूर्ण उद्योग है जो प्रदेश के लगभग **45.44 लाख** गन्ना आपूर्तिकर्ता किसानों के परिवार की आजीविका का मुख्य आधार है। पेराई सत्र 2016–17 में **प्रदेश का गन्ना क्षेत्रफल** 20.54 लाख हेक्टेयर था, जो **पेराई सत्र 2021–22 में बढ़कर 27.60 लाख हेक्टेयर** हो गया। इस वृद्धि से परिलक्षित होता है कि प्रदेश के किसानों का रुझान गन्ने की खेती की ओर लगातार बढ़ रहा है।

- मेरी सरकार द्वारा लगभग 45.44 लाख गन्ना किसानों को पेराई सत्र 2017–18 से पेराई सत्र 2021–22 तक के सापेक्ष, दिनांक 16 मई, 2022 तक, **01 लाख 72 हजार 745 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य का रिकॉर्ड भुगतान** किया गया है, जिसमें पूर्व वर्षों की 10 हजार 662 करोड़ रुपये की धनराशि भी सम्मिलित हैं। यह धनराशि वर्ष 2012 से वर्ष 2017 के मध्य हुए गन्ना मूल्य भुगतान के सापेक्ष 77

हजार 500 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2007 से वर्ष 2012 के मध्य हुये गन्ना मूल्य भुगतान के मुकाबले 01 लाख 20 हजार 600 करोड़ रुपये अधिक है।

- माननीय प्रधानमंत्री जी के संकल्प के अनुरूप किसानों की आय को दोगुना करने के लिए राज्य सरकार द्वारा रमाला, मुण्डेरवा तथा पिपराइच में नई चीनी मिलें स्थापित की गईं। कोरोना काल के चुनौतीपूर्ण समय में भी प्रदेश की सभी 119 चीनी मिलों को निर्बाध रूप से संचालित किया गया है।
- प्रदेश के गन्ना किसानों को सर्वे, सट्टा, कैलेण्डर आदि समस्त सूचनाएं वेबसाइट एवं मोबाइल पर प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।
- वर्ष 2016–17 में प्रदेश में एथेनॉल का उत्पादन 43.25 करोड़ लीटर था, जो वर्ष 2020–21 में बढ़कर 107.21 करोड़ लीटर हो गया है, अब उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा एथेनॉल आपूर्तिकर्ता राज्य बन गया है।
- वर्ष 2017 में मेरी सरकार ने विभिन्न राज्यों में एक टीम भेजकर वहां लागू प्रोक्योरमेण्ट पॉलिसी का अध्ययन कराकर प्रदेश में प्रोक्योरमेण्ट नीति को प्रभावी ढंग से लागू कराया। इसके परिणामस्वरूप किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का वास्तविक लाभ प्राप्त हो रहा है।

- वर्ष 2017–18 से वर्ष 2021–22 की अवधि में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की कुल 219.12 लाख मीट्रिक टन खरीद की गयी। इसके माध्यम से 46 लाख 47 हजार किसानों को लाभान्वित करते हुए 40 हजार 159 करोड़ रुपये का भुगतान कराया गया। इसी अवधि में 280.09 लाख मीट्रिक टन धान की कुल खरीद करते हुए 42 लाख 90 हजार 474 किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ दिलाया गया। इसके तहत किसानों को 50 हजार 420 करोड़ रुपये का भुगतान कराया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किसानों को उपज लागत की डेढ़ गुना एम0एस0पी0 दिए जाने के लिए मेरी सरकार उनके प्रति आभार व्यक्त करती है।

- निराश्रित/बेसहारा गोवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश में कुल 6,195 गो–आश्रय स्थल स्थापित हैं, जिनमें 09 लाख 67 हजार 923 गोवंश संरक्षित किए गए हैं। **'मुख्यमंत्री निराश्रित/बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना'** के अन्तर्गत 01 लाख 31 हजार से अधिक गोवंश इच्छुक पशुपालकों की सुपुर्दगी में दिए गए हैं। पोषण मिशन के तहत कुपोषित परिवारों को 2,050 गोवंश उपलब्ध कराए गए हैं। बुन्देलखण्ड क्षेत्र में निराश्रित गोवंश को संरक्षित करने के उद्देश्य से इस क्षेत्र के प्रत्येक जनपद में 05–05 गो–आश्रय केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

- मेरी सरकार मत्स्य पालकों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु प्रतिबद्ध है। मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के दृष्टिगत भारत सरकार के सहयोग से **'प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना'** प्रारम्भ की गई है।

- सरकार द्वारा लगभग 98.88 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। विगत पांच वर्षों में दशकों से लम्बित चल रहीं बाणसागर, अर्जुन सहायक, सरयू नहर सहित कुल **20 सिंचाई परियोजनाएं पूर्ण** की गयी हैं जिनसे **21.42 लाख हे0 अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन** किया गया। इससे **प्रदेश के 44.72 लाख कृषक लाभान्वित** हुए।

- भारत सरकार द्वारा संचालित योजना **'पर ड्रॉप मोर क्रॉप'** के अन्तर्गत बुन्देलखण्ड क्षेत्र हेतु तृतीय पैकेज में कुलपहाड़ स्प्रिंकलर परियोजना, शहजाद बाँध स्प्रिंकलर परियोजना एवं मसगाँव–चिल्ली स्प्रिंकलर प्रणाली की स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिसकी कुल लागत 184.61 करोड़ रुपये है।

- प्रदेश में 34,307 राजकीय नलकूपों तथा 252 लघु डाल नहरों द्वारा कृषकों को मुफ्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

- बेहतर कनेक्टिविटी से विकास कार्यों को गति मिलती है, इसलिए मेरी सरकार द्वारा प्रदेश में विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवेज का नेटवर्क तैयार किया गया है। आज उत्तर

प्रदेश की पहचान एक्सप्रेस प्रदेश के रूप में सशक्त हो रही है।

- लखनऊ से गाजीपुर तक 340.824 कि0मी0 लम्बे, 6–लेन के प्रवेश नियंत्रित 'पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे' का लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा नवम्बर, 2021 में किया गया है। गोरखपुर को पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से जोड़ने के लिए 'गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे' का निर्माण किया जा रहा है। **बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस–वे परियोजना** का निर्माण कार्य निर्धारित लक्ष्य के अनुसार गतिमान है तथा इस वर्ष जून के अन्तिम सप्ताह में कार्य पूर्ण हो जाएगा। 594 कि0मी0 लम्बी 06 लेन **गंगा एक्सप्रेस–वे परियोजना** का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। राज्य के सभी एक्सप्रेस–वे के किनारे इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

- प्रदेश के वृहद रोड नेटवर्क को सुगम यातायात योग्य बनाये रखने हेतु राज्य स्तरीय अभियान चलाकर गड्ढामुक्ति, विशेष मरम्मत, नवीनीकरण एवं सतह सुधार का कार्य प्रगति पर है। सभी ब्लॉक मुख्यालयों को चरणबद्ध रूप से दो लेन चौड़े मार्गों से जोड़े जाने का कार्य प्रगति पर है।

- प्रदेश के विकास में हवाई कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। लखनऊ एवं वाराणसी में वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय हवाई–अड्डों तथा कुशीनगर में नवीन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई–अड्डे के साथ ही जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर में

नोएडा ग्रीन फील्ड अन्तर्राष्ट्रीय हवाई–अड्डा तथा अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई–अड्डे के साथ उत्तर प्रदेश शीघ्र ही **पांच अन्तर्राष्ट्रीय हवाई–अड्डों वाला देश का एक मात्र राज्य** बन जाएगा।

- माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 25 नवम्बर, 2021 को जेवर में नोएडा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई–अड्डे का शिलान्यास किया गया है। 05 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में विकसित होने वाला नोएडा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई–अड्डा उत्तर भारत के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक होगा। अयोध्या अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण पूर्ण करने हेतु भूमि को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को हस्तान्तरित किया जा चुका है। प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी का विस्तार करते हुए नए शहरों को वायु सेवा से जोड़ा जा रहा है।

- रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य में **उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर** परियोजना का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

- **यूपी इन्वेस्टर्स समिट–2018** में प्राप्त 4.68 लाख करोड़ रुपये तक के निवेश प्रस्तावों में से लगभग 03 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों का कार्यान्वयन विभिन्न चरणों में है। इन निवेशों से 05 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। आगामी 03 जून को इन्वेस्टर्स समिट की

तृतीय ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी में माननीय प्रधानमंत्री जी के कर–कमलों से 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जाएगा।

- प्रदेश के त्वरित आर्थिक विकास व रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसरों के सृजन में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एम0एस0एम0ई0) की महती भूमिका है। प्रदेश सरकार द्वारा अधिकाधिक उद्यमों की स्थापना हेतु प्रोत्साहनात्मक वातावरण का सृजन किया गया है। **एम0एस0एम0ई0 अधिनियम 2020** के माध्यम से इकाइयों को 72 घण्टे में उद्योग स्थापित करने की अनुमति देकर **01 हजार दिनों तक** विस्तृत प्रपत्र दाखिल करने की सुविधा दी गयी है।

- प्रदेश के समस्त जनपदों के उत्पादों व पारम्परिक शिल्पों के समग्र विकास हेतु मेरी सरकार द्वारा **एक जनपद एक उत्पाद (ओ0डी0ओ0पी0) योजना** संचालित की जा रही है। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का ही यह परिणाम है कि प्रदेश से निर्यात में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है। पिछले 05 वर्षों में निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

- लम्बे समय से बन्द चल रहे 07 कम्बल कारखानों एवं कालपी स्थित हाथ कागज उत्पादन केन्द्र को पुनर्संचालित कराया गया है, जहां उत्पादन भी प्रारम्भ हो गया है।

- मेरी सरकार सूचना प्रौद्योगिकी को अपनाकर सुशासन के लक्ष्यों को हासिल कर रही है।

- वर्तमान में **ई–डिस्ट्रिक्ट परियोजना** के अन्तर्गत 38 सरकारी विभागों की 272 शासकीय सेवायें जन सेवा केन्द्रों के माध्यम से प्रदेश के आम जनमानस को उपलब्ध करायी जा रही हैं। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 1.50 लाख जन सेवा केन्द्रों के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक कुल 1.72 लाख केन्द्र स्थापित किए जा चुके हैं।

- **मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (1076) (जन सुनवाई पोर्टल) योजना** में 500 सीटर कॉल सेण्टर पर नागरिकों की शिकायतों का निस्तारण सम्बन्धित विभागों के स्तर से किए जाने की व्यवस्था की गई है।

- प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयन्ती सुशासन दिवस–दिनांक 25 दिसम्बर, 2021 से **निःशुल्क टैबलेट/स्मार्टफोन वितरण योजना** प्रारम्भ की गयी है। इस योजना के अन्तर्गत अब तक लगभग 12 लाख टैबलेट/स्मार्ट फोन वितरण हेतु जनपदों को उपलब्ध कराए जा चुके तथा वितरित किए जा रहे हैं। आगामी 05 वर्षों में कुल 02 करोड़ स्मार्ट फोन/टैबलेट वितरित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

- प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने हेतु पिछले 05 वर्षों में 705 नए 33/11 के0वी0 उपकेन्द्र स्थापित किए गए हैं तथा 1413 उपकेन्द्रों की क्षमता बढ़ाई गई है। हरदुआगंज तापीय परियोजना के अन्तर्गत निर्मित 1x660 मेगावॉट की इकाई चालू कर दी गयी है। वर्तमान में जिला मुख्यालय पर 24 घण्टे, तहसील मुख्यालय पर 21:30 घण्टे एवं गाँवों को 18 घण्टे बिजली आपूर्ति का रोस्टर निर्धारित है।

- निजी नलकूप उपभोक्ताओं को दिनांक 01 जनवरी, 2022 से बिजली के बिल में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र के ग्रामीण निजी नलकूप विद्युत उपभोक्ताओं को एकल रबी फसल की सिंचाई हेतु सीजनल टैरिफ का लाभ एवं अस्थाई विद्युत संयोजन की सुविधा भी प्रदान की गयी है।

- प्रदेश में स्थापित सौर ऊर्जा आधारित कुल 1819 मेगावॉट क्षमता की परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। जैव अपशिष्टों से जैव ऊर्जा के उत्पादन को प्रोत्साहित किए जाने के उद्देश्य से नीति जारी की गई है, जिसके अन्तर्गत जैव ऊर्जा की 14 परियोजनाओं में कुल 2,492 करोड़ रुपये के निवेश की स्वीकृति प्रदान की गई है।

- मेरी सरकार समाज के कमजोर वर्गों के हितों के प्रति संवेदनशील है। विभिन्न पेंशन योजनाओं के माध्यम से पात्र

व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा रहा है। वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत प्रत्येक लाभार्थी की पेंशन राशि को बढ़ाकर, 01 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से लगभग **56 लाख वृद्धजनों को पेंशन** प्रदान की जा रही है। **निराश्रित महिला पेंशन** योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों को देय पेंशन की धनराशि को बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में इस योजना के अन्तर्गत कुल 31 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया गया है। दिव्यांग भरण–पोषण अनुदान की धनराशि, जो वर्ष 2017 के पूर्व मात्र 300 रुपये प्रतिमाह प्रति व्यक्ति थी, उसे बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। प्रदेश के 11 लाख से अधिक दिव्यांगजन इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

- कोविड–19 संक्रमण के कारण अनाथ/प्रभावित हुए बच्चों के भरण–पोषण, शिक्षा, चिकित्सा आदि की व्यवस्था हेतु **'उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना'** का संचालन किया जा रहा है। योजना के अन्तर्गत पात्र बच्चों को 04 हजार रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसी प्रकार कोविड–19 संक्रमण से भिन्न कारणों से अपने माता/पिता अथवा अभिभावक को खोने वाले बच्चों के लिए **'उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य)'** का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थियों को 2,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

- प्रदेश में समान लिंगानुपात स्थापित करने, कन्या भ्रूण हत्या को रोकने, बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा को सुदृढ़ करने, बालिका के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा बालिका के प्रति आमजन में सकारात्मक सोच विकसित किए जाने हेतु **'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना'** संचालित की जा रही है। अब तक 12 लाख 68 हजार से अधिक बालिकाओं को इस योजना से लाभान्वित कराया जा चुका है।

- सभी वर्गों के गरीब परिवारों की कन्याओं की शादी हेतु संचालित **'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना'** के अन्तर्गत अब तक 01 लाख 74 हजार 326 जोड़ों तथा श्रमिकों की कन्याओं के विवाह के लिए संचालित **'कन्या विवाह अनुदान योजना'** के तहत लगभग 94 हजार कन्याओं का विवाह सम्पन्न कराया गया है।

- **'उ0प्र0 रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष'** योजनान्तर्गत जघन्य अपराधों से पीड़ित महिला एवं बालिकाओं को 01 लाख रुपये से 10 लाख रुपये की आर्थिक क्षतिपूर्ति प्रदान की जा रही है।

- समेकित बाल विकास सेवा योजना के अर्न्तगत 06 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश के सभी जनपदों में

कुल 897 परियोजनाओं के 1.89 लाख से अधिक आँगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है।

- लाभार्थियों को अनुपूरक पुष्टाहार के रूप में फोर्टिफाइड गेहूँ, दलिया, चना दाल, खाद्य तेल तथा चावल का वितरण किया जा रहा है। स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों को पुष्टाहार उत्पादन तथा आपूर्ति के कार्य से जोड़ा गया है।
- लोगों को पौष्टिक साग–सब्जियों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से आँगनबाड़ी केन्द्रों पर **पोषण वाटिकाओं** की स्थापना की जा रही है।
- आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बेहतर कार्य हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से माह सितम्बर, 2021 से 1500 रुपये प्रतिमाह की दर से इन्सेन्टिव दिया जा रहा है।
- उत्तर प्रदेश में सशस्त्र सेनाओं के लगभग 3.99 लाख भूतपूर्व सैनिक और 0.67 लाख दिवंगत सैनिकों की पत्नियां हैं। मेरी सरकार इनकी देख–रेख एवं समस्याओं के निराकरण के लिए सतत् प्रयत्नशील है। शहीद हुए सैनिक के परिवार को पूर्व में दी जाने वाली 25 लाख रुपये की धनराशि को बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के निवासी शहीद सैनिक के आश्रितों को प्रदेश सरकार की नीति के अन्तर्गत उन्हें सेवायोजन भी प्रदान किया जा रहा है।

- अल्पसंख्यक कल्याण की दिशा में माननीय प्रधानमंत्री जी के संकल्प को साकार करने के लिए मेरी सरकार कृतसंकल्पित है। इस उद्देश्य के साथ विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

- **किन्नर समुदाय** को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने हेतु **उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड** का गठन किया गया है।

- कामगारों/श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा के लिए तथा उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु **'उत्तर प्रदेश कामगार और श्रमिक (सेवायोजन एवं रोजगार) आयोग'** का गठन किया गया है।

- पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों तथा अनाथ बच्चों हेतु प्रदेश के समस्त 18 मण्डलों में 01–01 **अटल आवासीय विद्यालय** स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें कक्षा–06 से 12 तक निःशुल्क गुणवत्तापरक एवं आवासीय शिक्षा प्रदान की जाएगी। समस्त 18 मण्डलों में विद्यालयों के निर्माण हेतु भूमि का चिन्हांकन पूर्ण कर लिया गया है तथा निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

- कोविड महामारी की कठिनाइयों से गरीब परिवारों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा अपने संसाधनों से अप्रैल, 2020 से जून, 2020 तथा जून, 2021 से अगस्त,

2021 तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया गया। राज्य सरकार द्वारा माह दिसम्बर, 2021 से मार्च, 2022 तक अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को नियमित वितरित होने वाले गेहूं एवं चावल का वितरण निःशुल्क करते हुए, तीन अन्य आवश्यक वस्तुओं–आयोडाइज्ड नमक, दाल/साबुत चना, रिफाइन्ड सोयाबीन तेल को भी सम्मिलित कर निःशुल्क वितरण किया गया। इस योजना से प्रदेश के लगभग 15 करोड़ लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं। **यह देश का सबसे विशालतम खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम है, जिसका विस्तार माह अप्रैल, 2022 से जून, 2022 तक कर दिया गया है।**

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राज्य में अप्रैल, 2020 से नवम्बर, 2020 तथा मई, 2021 से मार्च, 2022 तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण कराया गया। इस अवधि में कुल 134 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न वितरित किया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा इस योजना को सितम्बर, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

- प्रत्येक निःशक्तजन राशन कार्डधारक को चिन्हित कर उनके घर पर ही खाद्यान्न उपलब्ध कराए जाने की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त राशन कार्डधारकों को देश में किसी भी स्थान पर राशन कार्ड के माध्यम से राशन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है।

- ग्राम्य विकास के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बनाना गांधी जी का स्वप्न था। मेरी सरकार ग्रामीण विकास से सम्बन्धित विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित कर रही है।

- **मुख्यमंत्री आवास योजना–ग्रामीण** के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018–19 से अब तक कुल 1.02 लाख आवास का निर्माण पूर्ण कराया जा चुका है। प्राकृतिक आपदा, कालाजार, जे0ई0/ए0ई0एस0 एवं कुष्ठ रोग से प्रभावित तथा वनटांगिया/मुसहर, कोल, सहरिया एवं थारू वर्ग तथा नट (अनुसूचित जाति) एवं चेरों जनजाति के आवासविहीन या कच्चे/जर्जर आवास में निवास कर रहे परिवारों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से यह योजना संचालित की जा रही है।

- **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना** के अन्तर्गत गत पाँच वर्षों में 3,414 कि0मी0 से अधिक सड़कों का निर्माण कराया गया।

- **मुख्यमंत्री समग्र ग्राम योजना** उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती (अन्तर्राष्ट्रीय/अन्तर्राज्यीय) क्षेत्र पर स्थित दूरस्थ ग्रामों, अति पिछड़े तथा देश की रक्षा में हुए शहीदों के राजस्व ग्रामों का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है।

- **जल जीवन मिशन** के अन्तर्गत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है जिसमें 'हर घर को नल से जल' उपलब्ध कराया

जाना है। वर्ष 2022–23 में 73.06 लाख क्रियाशील गृह नल संयोजन प्रदान कर लगभग 4.67 करोड़ घरों में शुद्ध एवं सतत् पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

- ग्राम स्तर पर वित्तीय समावेशन तथा महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 40,196 बी0सी0 सखी का प्रशिक्षण एवं प्रमाणीकरण पूर्ण किया गया है। वर्तमान में 27,830 बी0सी0 सखी द्वारा कार्य प्रारम्भ करते हुए 2041 करोड़ रुपये का वित्तीय लेन–देन किया जा चुका है।

- ग्राम स्तर पर सरकारी सेवाएं एक छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश की 54,876 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय स्थापित किए गए हैं। ग्राम सचिवालय के प्रतिदिन संचालन व सफल क्रियान्वयन हेतु **56,436 पंचायत सहायक/ एकाउण्टेन्ट–कम–डाटा इण्ट्री ऑपरेटर का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया गया है।** राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अन्तर्गत 25 जनपदों में पंचायत रिसोर्स सेण्टर का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

- प्रदेश में सार्वजनिक सम्पत्तियों पर हुए अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही कराए जाने हेतु एण्टी भू–माफिया टास्क फोर्स का गठन तथा अवैध कब्जे से सम्बन्धित शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज करने एवं कृत कार्यवाही का प्रभावी अनुश्रवण किये जाने हेतु **एण्टी भू–माफिया पोर्टल** का विकास किया गया है।

- **एण्टी भू–माफिया अभियान** के अन्तर्गत कुल **64 हजार 398** हेक्टेयर क्षेत्रफल अवैध अतिक्रमण से अवमुक्त कराया गया है। 2,471 अतिक्रमणकर्ताओं को भू–माफिया के रूप में चिन्हित किया गया है। वर्तमान में 186 भू–माफिया जेल में निरुद्ध हैं। 4274 अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की गई है।

- जन शिकायतों के निस्तारण हेतु सभी तहसीलों में प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को **'सम्पूर्ण समाधान दिवस'** का आयोजन किया जा रहा है। इसी प्रकार, दूसरे व चौथे शनिवार को **'थाना दिवस'** तथा **'ब्लॉक दिवस'** के आयोजन की भी व्यवस्था है।

- **कोविड प्रबन्धन के अन्तर्गत वर्ष 2021–22** में गरीब व्यक्तियों, प्रवासी श्रमिकों तथा तीमारदारों आदि को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश के जनपदों में 332 सरकारी एवं 148 गैर सरकारी, कुल 480 **कम्युनिटी किचेन** स्थापित किए गए। इनके माध्यम से कुल 7,23,627 निःशुल्क फूड पैकेटों का वितरण किया गया है। लॉकडाउन के दौरान अन्य राज्यों से प्रदेश में वापस आने वाले प्रवासी श्रमिकों की स्क्रीनिंग/ क्वारण्टीन हेतु जनपद/तहसील/ ब्लॉक/पंचायत स्तर पर 749 क्वारण्टीन सेण्टर्स की स्थापना की गई जिनके माध्यम से वर्ष 2021–22 में 2,98,735 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग व स्किल मैपिंग की गयी

है। कोविड–19 की रोकथाम, उपचार व उससे बचाव के लिए कार्यरत कार्मिकों की संक्रमण से मृत्यु हो जाने पर उनके आश्रितों को 50 लाख रुपये की अनुग्रह धनराशि दिए जाने की व्यवस्था की गई।

- **'स्वामित्व योजना'** के अन्तर्गत नवीनतम ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग से ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर उनके स्वामित्व सम्बन्धी अभिलेख तैयार किये जा रहे हैं। अब तक 15,940 ग्रामों में 23 लाख 47 हजार 243 **ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी)** का भौतिक वितरण सम्बन्धित भूखण्ड स्वामियों को किया गया है।

- नगरीय क्षेत्र में जनसामान्य को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनायें संचालित की जा रही हैं। **अमृत योजना** के अन्तर्गत पेयजल की 119 एवं सीवरेज की 57 परियोजनाएं पूर्ण कर जनोपयोगी बनायी जा चुकी हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में प्रदेश के 18 स्थानीय निकायों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया।

- भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना–**स्मार्ट सिटी मिशन योजना** के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के 10 शहरों का चयन किया गया है। इसके अन्तर्गत 233 परियोजनायें पूर्ण हो गई हैं। साथ ही, प्रदेश सरकार द्वारा 07 अन्य नगर निगमों को राज्य स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की अभिनव पहल की गयी है। स्मार्ट सिटी रैंकिग में अद्यतन

देश के प्रथम 20 शहरों में प्रदेश के 5 शहर सम्मिलित हैं। प्रदेश को स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत अभिनव प्रयोगों एवं परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

- **आजादी के अमृत महोत्सव** के अवसर पर प्रदेश के नगरीय निकायों में **अमृत सरोवरों** के विकास का निर्णय लिया गया है।

- शहरी पथ विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु पी0एम0 स्ट्रीट वेण्डर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के अन्तर्गत अब तक **8 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को ऋण** वितरित कर उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

- 10 शहरों में 19 मॉडल स्ट्रीट वेण्डिंग जोन के विकास का कार्य भी प्रगति पर है। **शहरी बेघरों के लिए आश्रय योजना** के अन्तर्गत 130 शेल्टर होम क्रियाशील किए जा चुके हैं।

- प्रदेश में वनावरण एवं वृक्षावरण वृद्धि की विभिन्न योजनायें कार्यान्वित की जा रही हैं, इनमें सामाजिक वानिकी मुख्य योजना है। गत पाँच वर्षों में 100 करोड़ वृक्षों को रोपित किया गया है। वर्ष 2022–23 में उत्तर प्रदेश में हरीतिमा विस्तार हेतु 35 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

- **आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अन्नपूर्णा वन, नगर वन, अमृत वन तथा गंगा किनारे वनीकरण योजना** के

अन्तर्गत स्थल चयन व वृक्षारोपण किया जायेगा, जिससे पर्यावरण संतुलित होगा एवं कार्बन अवशोषण के साथ–साथ जलवायु पर भी अनुकूल प्रभाव पड़ेगा।

- वन्य जीव संरक्षण हेतु सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 01 राष्ट्रीय उद्यान, 26 वन्यजीव विहार एवं 4 प्राणि उद्यान स्थापित हैं। ईको टूरिज्म के माध्यम से प्रकृति एवं वनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ–साथ स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने हेतु **वाराणसी ईको टूरिज्म सर्किट, बाह बटेश्वर–चम्बल इटावा ईको टूरिज्म सर्किट व महराजगंज में हेरिटेज ट्रॉम वे परियोजनाओं** पर कार्य किया जाएगा।

- पावन गंगा एवं सहायक नदियों की निर्मलता, अविरलता सुनिश्चित करने हेतु सरकार प्रतिबद्ध है। गंगा की प्राकृतिक सम्पदा एवं जनमानस की भावनात्मक आस्था बनाए रखने हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। गंगा को प्रदूषण मुक्त बनाए रखने एवं उसमें दूषित जल का उत्प्रवाह रोकने के लिए सीवरेज सम्बन्धी कुल 46 परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं, जिनकी कुल स्वीकृत लागत लगभग 10 हजार 494 करोड़ रुपये है। इनमें से अब तक 25 परियोजनायें पूर्ण कर संचालित की जा चुकी हैं जबकि 19 परियोजनाएं निर्माणाधीन व 02 परियोजनाएं निविदा प्रक्रिया के अधीन हैं।

- **पावन गंगा** एवं सहायक नदियों की जल गुणता एवं अविरलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में 'समर्पित मॉनीटरिंग सेल' एवं 'कण्ट्रोल रूम' की स्थापना की गई है। सरकार द्वारा पर्यावरणीय शिक्षा, प्रशिक्षण व जन–जागरूकता तथा शोध सम्बन्धी विविध कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

- प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वभौमिक लक्ष्य की प्राप्ति हेतु मेरी सरकार संकल्पबद्ध है। प्रदेश में सभी बच्चों के लिए 01 से 03 किलोमीटर की परिधि में विद्यालय की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। इसके अतिरिक्त, शैक्षिक सत्र 2021–22 में लगभग 1.66 करोड़ बच्चों का नामांकन कराया गया है। **'स्कूल चलो अभियान'** के अन्तर्गत वर्ष 2022–23 में परिषदीय विद्यालयों में छात्र नामांकन का लक्ष्य 02 करोड़ रखा गया है। सरकार का यह प्रयास है कि कोई भी पात्र बच्चा प्राथमिक शिक्षा से वंचित न हो।

- **'समग्र शिक्षा अभियान'** के अन्तर्गत वर्ष 2022–23 में लगभग 02 करोड़ बच्चों को निःशुल्क पाठ्य–पुस्तकें व कार्य पुस्तिकाएं वितरित कराए जाने का लक्ष्य है। परिषदीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं अशासकीय सहायता प्राप्त प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा–1 से 08 तक अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के उपयोगार्थ निःशुल्क यूनीफॉर्म, स्वेटर, स्कूल बैग एवं

जूता–मोजा की धनराशि सीधे छात्र–छात्राओं के माता/पिता/अभिभावकों के आधार सीडेड बैंक खाते में हस्तान्तरित की गई है, जिससे लगभग 1.57 करोड़ बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

- **'ऑपरेशन कायाकल्प'** के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों को चिन्हित 19 मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं से संतृप्त कराया जा रहा है, अभी तक 1.30 लाख से अधिक विद्यालयों का कायाकल्प कराया जा चुका है।

- **मध्यान्ह भोजन योजना** के अन्तर्गत प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2022–23 में 1.44 लाख प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 02 करोड़ छात्र–छात्राओं को आच्छादित किया जा रहा है, जो देश में सर्वाधिक है। इस योजना में कार्यरत रसोइयों के मानदेय में भी वृद्धि की गयी है।

- **माध्यमिक शिक्षा** के अन्तर्गत प्रदेश सरकार द्वारा समस्त बालक विद्यालयों में सह–शिक्षा की व्यवस्था करते हुए अब तक 268 नवीन विद्यालय, 30 बालिका छात्रावास तथा 03 नवीन सैनिक स्कूल संचालित किए गए हैं। योग्य शिक्षकों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 40,402 शिक्षकों का चयन किया गया है। प्रदेश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनाने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन0सी0ई0आर0टी0) का पाठ्यक्रम

अंगीकृत किया गया है। शिक्षा प्रणाली को समसामयिक एवं गुणवत्तापरक बनाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन में प्रदेश अग्रणी रहा है।

- **संस्कृत शिक्षा** को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक विषयों का समावेश, एन0सी0ई0आर0टी0 पाठ्यक्रम, मानदेय पर शिक्षकों की व्यवस्था, ग्रेच्युटी और मृतक आश्रित सेवायोजन के प्राविधान किए गए हैं।

- असेवित क्षेत्रों में **उच्च शिक्षा** के प्रसार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में तीन नए राज्य विश्वविद्यालयों–माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर, महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ एवं राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़ का शिलान्यास किया जा चुका है तथा निर्माण कार्य प्रक्रियाधीन है। 75 नए राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना/निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है।

- 15 राज्य विश्वविद्यालयों में **पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ** की स्थापना की गयी है। लखनऊ विश्वविद्यालय में **भाऊराव देवरस शोधपीठ, अटल सुशासन पीठ व महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय रोजगार पीठ** तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में **चौरी–चौरा अध्ययन केन्द्र** स्थापित किए गए हैं।

- प्रदेश के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास के लिए प्राविधिक शिक्षा एक मूलभूत आवश्यकता है। प्रदेश की पॉलीटेक्निक संस्थाओं के विद्यार्थियों के लिए नवीन तकनीकी ज्ञान अर्जन हेतु **'यूराइज़' पोर्टल** की स्थापना की गयी है, जिस पर वीडियो लेक्चर, ई–कन्टेन्ट्स, ऑनलाइन उपस्थिति, परीक्षा परिणाम देखने की सुविधाएं उपलब्ध हैं। ई–लेक्चर के माध्यम से तकनीकी शिक्षा से सम्बन्धित विषयों के अतिरिक्त महत्वपूर्ण सामाजिक, आर्थिक एवं रोजगारपरक विषयों पर भी व्याख्यान प्रदान किए जा रहे हैं।

- सभी प्रकार की प्रतियोगिता परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए **मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना** के पोर्टल पर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी गई है, जिससे कोई भी छात्र पोर्टल पर पंजीकरण करके निःशुल्क अध्ययन सामग्री का लाभ प्राप्त कर सकता है।

- राज्य सरकार **'एक जनपद एक मेडिकल कॉलेज'** के लक्ष्य की पूर्ति के लिए गम्भीरता से प्रयास कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में 65 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें 35 राज्य सरकार द्वारा एवं 30 निजी क्षेत्र द्वारा संचालित हैं। इसके अतिरिक्त, जनपद गोरखपुर व रायबरेली में एम्स भी संचालित हैं। प्रदेश के 45 जनपद मेडिकल कॉलेज की सुविधा से आच्छादित हैं व 14 जनपदों में राज्य सरकार/केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित मेडिकल कॉलेज

निर्माणाधीन हैं। प्रदेश के 16 असेवित जनपदों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु पी0पी0पी0 नीति घोषित की गयी है जिसमें निजी निवेश के माध्यम से मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने हैं। जनपद सम्भल एवं महराजगंज में पी0पी0पी0 मोड पर स्थापित होने वाले मेडिकल कॉलेज के लिए राज्य सरकार तथा पी0पी0पी0 पार्टनर के मध्य एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित हो चुके हैं।

- 06 राजकीय मेडिकल कॉलेजों में बी0एस0सी0 नर्सिंग कोर्स प्रारम्भ किए गए हैं और इस वर्ष 09 मेडिकल कॉलेजों में नए बी0एस0सी0 कोर्स प्रारम्भ किए जाएंगे।

- जनपद **गोरखपुर** में 52.27 एकड़ भूमि पर 267.50 करोड़ रुपये की लागत से **महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय** की स्थापना की जा रही है। माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा दिनांक 28 अगस्त, 2021 को उक्त विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया गया है। **आयुष मिशन** के माध्यम से जनपद वाराणसी में राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की स्थापना एवं जनपद अयोध्या में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय की स्थापना की जा रही है।

- प्रदेश की जनता को अच्छी एवं गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधा प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश के समस्त जनपदों में बच्चों को 10 जानलेवा बीमारियों से

बचाव तथा गर्भवती महिलाओं को टिटनेस से बचाव हेतु नियमित रूप से निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है। प्रदेश के **54** जनपदों के **55** चिकित्सालयों में **डायलिसिस की निःशुल्क सुविधा** उपलब्ध करायी जा रही है। **जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम** के अर्न्तगत गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क परिवहन, निःशुल्क जाँचें, निःशुल्क औषधि, निःशुल्क भोजन एवं आवश्यकता पड़ने पर निःशुल्क ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की सीधी भर्ती का प्राविधान कर प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं।

- **कोविड प्रबन्धन** हेतु प्रदेश में **11 करोड़** 30 लाख से अधिक कोविड टेस्ट किए जा चुके हैं। इण्टीग्रेटेड कोविड कमाण्ड एवं कण्ट्रोल सेण्टर एवं निगरानी समितियों के माध्यम से रोगियों की निगरानी एवं देखभाल की गयी तथा लक्षणयुक्त व्यक्तियों को घर पर दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। प्रदेश में अब तक कोविड वैक्सीन की 32 करोड़ से अधिक डोज निःशुल्क लगायी जा चुकी है। प्रदेश में **चिकित्सीय ऑक्सीजन** की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु 536 नए **ऑक्सीजन जनरेशन प्लाण्ट्स** लगाए गए हैं। **ई–संजीवनी टेलीमेडिसिन** कोविड–19 महामारी के दौर में रोगियों को घर बैठे चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त करने में लाभप्रद रही है। इसके माध्यम से आमजन बिना चिकित्सालय जाए सीधे चिकित्सकों से परामर्श कर सकते हैं।

- वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2021 में 'एक्यूट इन्सेफेलाइटिस सिण्ड्रोम' (ए0ई0एस0)/'जापानी इन्सेफेलाइटिस' (जे0ई0) रोग नियंत्रण गतिविधियों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। इसके अन्तर्गत ए0ई0एस0 रोगियों की संख्या में 64 प्रतिशत, ए0ई0एस0 रोगियों की मृत्यु में 91 प्रतिशत तथा ए0ई0एस0 रोगियों की रोग मृत्यु दर में 75 प्रतिशत की कमी आयी है। इसके अतिरिक्त, जे0ई0 के रोगियों की संख्या में 78 प्रतिशत तथा जे0ई0 के रोगियों की मृत्यु में 96 प्रतिशत की कमी आयी है।

- प्रदेश में **आयुष्मान भारत** के अन्तर्गत 2,949 चिकित्सालयों को आबद्ध किया जा किया चुका है। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के 1.78 करोड़ लाभार्थी परिवारों को लाभ दिए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। अब तक 1.84 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए जा चुके हैं।

- राज्य कर्मचारियों/पेंशनरों को असाध्य बीमारी के उपचार हेतु कैशलेस चिकित्सा की सुविधा लागू की जा रही है।

- प्रदेश के समस्त ग्रामीण एवं नगरीय स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रत्येक रविवार मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आयोजित किया जा रहा है। इन मेलों के माध्यम से अब तक एक करोड़ से अधिक नागरिकों को लाभान्वित किया जा चुका है।

- प्रदेश में औषधि विक्रय अनुज्ञप्ति निर्गत करने हेतु पूर्णतया पेपरलेस ऑनलाइन सिस्टम लागू किया गया है। कोविड–19 महामारी के दौरान आवश्यक औषधियों की सतत् उपलब्धता सुनिश्चित की गयी तथा चीनी मिलों को हैण्ड सैनिटाइजर के विनिर्माण हेतु 24 घण्टे के अन्दर अनुज्ञप्ति प्रदान की गयी। ऑक्सीट्रैकर के माध्यम से कोविड–19 महामारी में ऑक्सीजन की आपूर्ति एवं वितरण पर प्रभावी निगरानी रखते हुए प्रबन्धन किया गया।

- प्रदेश मे खेलों के विकास एवं उत्कृष्ट कोटि के खिलाड़ी तैयार करने हेतु **जनपद मेरठ में मेजर ध्यानचन्द खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास दिनांक 02 जनवरी, 2022 को माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया**, जिस पर 700 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय होगी।

- भारत सरकार से **खेलो इण्डिया एक जनपद एक खेल योजना** के अन्तर्गत प्रदेश के 75 जनपदों में **खेलो इण्डिया सेण्टर** की स्थापना किए जाने हेतु 525 लाख रुपये की व्यवस्था कराई गई है।

- अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में प्रदेश के पदक विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप धनराशि प्रदान की जा रही है। अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में उत्तर प्रदेश के मूल निवासी पदक विजेता खिलाड़ियों की सीधी भर्ती के माध्यम से राजपत्रित पदों पर नियुक्ति की व्यवस्था भी की गयी है।

- मेरी सरकार द्वारा सामान्य खिलाड़ियों को दी जाने वाली सुविधा की भाँति उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजन खिलाड़ियों को सुविधाएं प्रदान करने की व्यवस्था की गयी है। सरकार द्वारा टोक्यो ओलम्पिक–2020 तथा टोक्यो पैरालम्पिक–2020 में भारत के पदक विजेता खिलाड़ियों तथा प्रदेश के प्रतिभागी खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया।

- ग्रामीण क्षेत्रों में खेल अवसंरचना के विकास हेतु **ग्रामीण स्टेडियमों का निर्माण** एवं ओपेन जिम की स्थापना का कार्य किया जा रहा है। युवाओं के सांस्कृतिक विकास एवं लोक सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने हेतु युवा उत्सवों का आयोजन कराया जा रहा है।

- जनता को सुरक्षित, सुलभ, सतत्, मितव्ययी व ईको फ्रेण्डली परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु सरकार कृतसंकल्प है। यात्रियों को सुगम टिकटिंग व सूचना प्रणाली हेतु उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की प्रतिष्ठित सेवाओं में इण्टरनेट आधारित अग्रिम आरक्षण की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।

- विगत पाँच वर्षों से **रक्षाबंधन पर्व पर** प्रदेश की महिला यात्रियों को परिवहन निगम की सभी श्रेणियों की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके

अन्तर्गत **लगभग 51.52 लाख महिला यात्रियों को निःशुल्क यात्रा की सुविधा** से लाभान्वित किया गया है।

- अन्तर्राज्यीय मार्गों पर जन सामान्य को सड़क यातायात की सुगम एवं समन्वित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु राजस्थान, उत्तराखण्ड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर तथा बिहार राज्य के साथ पारस्परिक परिवहन करार के उपरान्त बस संचालन प्रारम्भ किया गया है। पड़ोसी देश नेपाल हेतु दिल्ली से महेन्द्र नगर, पोखरा व नेपालगंज के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बस सेवा का संचालन प्रारम्भ किया गया है।

- बस स्टेशनों के आधुनिकीकरण के दृष्टिगत प्रदेश के 23 प्रमुख बस स्टेशनों को, लखनऊ के आलमबाग बस स्टेशन की तर्ज पर, पी0पी0पी0 पद्धति पर विकसित किए जाने हेतु कार्यवाही गतिशील है।

- खनन प्रक्रिया में सरलीकरण, पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धा एवं राजस्व वृद्धि हेतु **'उत्तर प्रदेश खनन नीति–2017'** के अर्न्तगत एकीकृत पोर्टल **'माइन मित्रा'** विकसित किया गया है। खनन योजना का अनुमोदन ऑनलाइन माध्यम से प्रदान किए जाने की सुविधा प्रारम्भ की गयी है, जिसके अन्तर्गत 213 खनन योजनायें अनुमोदित की गयी हैं। अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स को सक्रिय एवं उत्तरदायी बनाया गया है।

- रामायण संस्कृति के प्रचार–प्रसार हेतु प्रदेश के 16 जनपदों में रामायण कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। वैश्विक स्तर पर रामायण संस्कृति के प्रतीकों एवं परम्पराओं पर शोधपरक **रामायण इन्साइक्लोपीडिया** का कार्य भी गतिमान है। प्रदेश में पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण हेतु **'एडॉप्ट ए हेरिटेज'** योजना प्रारम्भ की गई है।

- **'आजादी का अमृत महोत्सव'** तथा **'चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव'** के अन्तर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, तिरंगा यात्राओं, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों वेबिनार आदि का नियमित आयोजन किया जा रहा है। गोरखपुर में योगीराज बाबा गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह व गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ के भवन तथा पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की जन्मस्थली–गढ़ाकोला, उन्नाव में विशाल स्मृति भवन एवं पुस्तकालय के भवनों का निर्माण कराया गया है। रामलीला मैदानों के सुदृढ़ीकरण के अन्तर्गत शाहजहांपुर में खिरनीबाग रामलीला स्थल एवं गोरखपुर में बर्डघाट रामलीला स्थल में मंच, ग्रीन रूम, चहारदीवारी आदि का निर्माण कराया गया। मगहर में संत कबीर अकादमी के भवन का निर्माण एवं आगरा के बटेश्वर में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी सांस्कृतिक संकुल के निर्माण की परियोजनाएं गतिमान हैं।

- जनपद लखनऊ में **भारत रत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र** का शिलान्यास माननीय राष्ट्रपति महोदय के कर–कमलों द्वारा दिनांक 29 जून, 2021 को सम्पन्न हो चुका है। इस सांस्कृतिक केन्द्र में बाबा साहब की भव्य मूर्ति की स्थापना के साथ ही अत्याधुनिक प्रेक्षागृह, सन्दर्भ पुस्तकालय, पिक्चर गैलरी, डॉरमैट्री आदि सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

- वाराणसी स्थित **श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर** के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गौरव की पुनर्स्थापना के उद्देश्य से **श्री काशी विश्वनाथ धाम** निर्मित कराया गया है, जिसका लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिनांक 13 दिसम्बर, 2021 को किया जा चुका है। श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर के विस्तारीकण/ सौन्दर्यीकरण के पश्चात श्रद्धालुओं की संख्या में 4 से 5 गुना वृद्धि हुई है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में **वैदिक विज्ञान केन्द्र** की स्थापना के प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो गया है तथा द्वितीय चरण का कार्य प्रगति पर है।

- अयोध्या एवं चित्रकूट में भजन संध्या स्थल का निर्माण कार्य पूर्ण है। गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज एवं मथुरा में भी भजन संध्या स्थल के निर्माण की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी है। बुजुर्ग संतों, पुजारियों एवं पुरोहितों के समग्र कल्याण की योजना के क्रियान्वयन के लिए एक विशेष बोर्ड के गठन की कार्यवाही की जा रही है।

- जनपद गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर यात्रा भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाले प्रदेश के मूल निवासी तीर्थ यात्रियों को 01 लाख रुपये प्रति श्रद्धालु अनुदान दिया जा रहा है। दिनांक 31 मार्च, 2022 तक 1,225 यात्रियों को अनुदान स्वीकृत किया गया। सिन्धु दर्शन के प्रदेश के मूल निवासी तीर्थ यात्रियों के लिए 20 हजार रुपये प्रति व्यक्ति अनुदान की व्यवस्था है। दिनांक 31 मार्च, 2022 तक 324 यात्रियों को अनुदान स्वीकृत किया गया है।

- उत्तर प्रदेश में पर्यटन के विकास की असीम सम्भावनाएं है। सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश दिवस, विश्व पर्यटन दिवस, राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इत्यादि का आयोजन वृहद स्तर पर किया जा रहा है। दीपोत्सव, देव दीपावली, महाशिवरात्रि, रंगोत्सव, कृष्णोत्सव, बैलून फेस्टिवल, ड्रोन शो, माघ मेला, गोरखपुर महोत्सव इत्यादि के आयोजन एवं वृहद स्तर पर प्रचार–प्रसार के फलस्वरूप विदेशी एवं घरेलू पर्यटकों के आवागमन में निरन्तर वृद्धि हो रही है।

- माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में अयोध्या के पर्यटन सहित समग्र विकास पर कार्य हो रहा है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के तहत मथुरा व वृन्दावन का पर्यटन विकास कराया जा रहा है। श्री विन्ध्यवासिनी धाम, श्री नैमिषारण्य धाम, श्री शुक्रताल धाम, श्री चित्रकूट धाम, श्री

देवीपाटन धाम के पर्यटन विकास कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। महर्षि वाल्मीकि से जुड़े लालापुर, गोस्वामी तुलसीदास से सम्बन्धित राजापुर, निषादराज गुह्य से सम्बन्धित श्रृंग्वेरपुर स्थलों को भी विकसित किया जा रहा है।

- विशिष्ट क्षेत्रों के विकास हेतु उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, उत्तर प्रदेश श्री चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद एवं उत्तर प्रदेश विन्ध्य धाम तीर्थ विकास परिषद की स्थापना की गई है।

- लखनऊ आने वाले माननीय अतिथियों एवं विशिष्ट महानुभावों की अधिक संख्या के दृष्टिगत बटलर पैलेस परिसर में लगभग 61 करोड़ रुपये की लागत से **'अति विशिष्ट अतिथि गृह 'नैमिषारण्य' बटलर पैलेस'** का निर्माण कराया गया है। इसी प्रकार नई दिल्ली में द्वारका योजना के सेक्टर–13 में **'इन्द्रप्रस्थ उत्तर प्रदेश राज्य अतिथि गृह, नई दिल्ली'** नाम से लगभग 45 करोड़ रुपये की लागत से एक नए अतिथि गृह का निर्माण कराया गया है, जिसका संचालन माह जनवरी, 2022 से प्रारम्भ कर दिया गया है।

- हम सभी का सौभाग्य है कि जिस आजादी के लिए भारत ने सदियों इंतजार किया, उसके 75 वर्ष होने के हम साक्षी बन रहे हैं। पूरा देश स्वाधीनता संग्राम में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का ऋणी

है। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 41 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं 1051 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित हैं जिन्हें पूर्व में मिलने वाली 15,176 रुपये प्रतिमाह पेंशन की धनराशि को दिनांक 01 फरवरी, 2018 से बढ़ाकर 20,176 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है।

- आपातकाल की अवधि में लोकतन्त्र की रक्षा के लिए सक्रिय रहते हुए संघर्ष के फलस्वरूप मीसा/डी0आई0आर0 में कारागार में निरुद्ध रहे राजनैतिक बन्दियों/लोकतन्त्र सेनानियों एवं उनके देहान्त के उपरान्त पात्र आश्रित को अनुमन्य 15 हजार रुपये प्रतिमाह की सम्मान राशि को बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दिया गया है।

- उत्तर प्रदेश डिजिटल ई–स्टाम्पिंग प्रारम्भ करने वाला दूसरा राज्य हो गया है, अद्यतन 19 बैंक इस व्यवस्था से इण्टीग्रेट किये जा चुके हैं। निबन्धन कार्यालयों में विलेखों के निबन्धन हेतु एस0एम0एस0 आधारित अप्वाइन्टमेण्ट व्यवस्था लागू की गयी है। व्यापक जनहित में ई–स्टाम्प की सेवा उचित दर की दुकानों पर भी उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया गया है।

- उत्तर प्रदेश अधिवक्ता कल्याण निधि में पंजीकृत 30 वर्ष की अवधि पूर्ण कर चुके अधिवक्ताओं को निधि से अनुमन्य धनराशि 1.50 लाख रुपये को बढ़ाकर 05 लाख रुपये कर दिया गया है। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, प्रयागराज का

निर्माण कार्य गतिमान है। दिनांक 12 मार्च, 2022 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 32 लाख से अधिक मामलों का निस्तारण करके उत्तर प्रदेश को पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

- मेरी सरकार द्वारा दिनांक 01 मई, 2022 को **ई–पेंशन पोर्टल** का शुभारम्भ किया गया है, जिसके माध्यम से पेंशन हेतु आवेदन से लेकर पेंशन भुगतानादेश निर्गत होने तक की कार्यवाही पूर्णतया ऑनलाइन कर दी गयी है। इस पोर्टल के अन्तर्गत सरकारी विभागों के सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों द्वारा अपनी सेवानिवृत्ति के 06 माह पूर्व ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा तथा सेवानिवृत्ति के 03 माह पूर्व ही उनका पेंशन भुगतानादेश निर्गत हो जाएगा।
- मेरी सरकार ने प्रदेश में सुशासन स्थापित किया है। अब सुशासन को और सुदृढ़ करने के लिए मेरी सरकार की स्वयं से प्रतिस्पर्धा प्रारम्भ होगी।
- विगत 05 वर्षों में प्रदेश में विकास की नींव डालने का कार्य किया गया है। अगले 05 वर्षों में इसी नींव पर विकास की भव्य इमारत आकार लेगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ाने, आधारभूत अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने का कार्य किया जाएगा।

- इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रदेश सरकार द्वारा सेक्टरवार 100 दिन, 06 माह, 01 साल, 02 साल एवं 05 साल की वृहद कार्ययोजनाएं बनाई गई हैं। इन कार्ययोजनाओं पर कार्य आरम्भ भी हो चुका है और इसकी गहन समीक्षा भी की जा रही है।

- प्रदेश के विकास को नई ऊँचाइयां देने के लिए परियोजनाओं के क्रियान्वयन की टाइमलाइन तय करते हुए कार्य सम्पादित किए जाएंगे। परफॉर्मेन्स बेस्ड कार्यों पर फोकस किया जाएगा।

- पूर्व की भाँति मेरी सरकार प्रदेशवासियों को पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन तथा ईमानदार तथा संवेदनशील प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए तत्पर रहेगी।

- इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रदेश सरकार के सभी माननीय मंत्रियों के अलग–अलग समूह गठित किए गए हैं। माननीय मंत्री समूहों द्वारा अलग–अलग जनपदों का भ्रमण कर 'सरकार आपके द्वार' के अनुरूप जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही, समाज के कमजोर वर्गों के सम्मानित नागरिकों का खास ध्यान रखते हुए उनकी समस्याओं के समाधान के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

- माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से लोक कल्याण संकल्प पत्र–2022 के माध्यम से प्रदेश की जनता से वादे किए गए

हैं। मेरी सरकार इन वादों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्पित है तथा इन्हें पूरा करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है।

- **माननीय सदस्यगण,** मैंने आपके समक्ष सरकार की प्रमुख विकासोन्मुखी नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की है। वित्तीय वर्ष 2022–2023 का आय–व्ययक शीघ्र ही सदन में प्रस्तुत किया जाएगा। विगत सत्र के पश्चात् मैंने कुछ अध्यादेश प्रख्यापित किए हैं, जिनके प्रतिस्थानी विधेयक व कतिपय अन्य महत्वपूर्ण विधेयक आपके विचारार्थ प्रस्तुत किए जाएंगे।

- मेरी सरकार माननीय प्रधानमंत्री जी के मूलमंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के अनुरूप कार्य कर रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी माननीय सदस्यगण प्रदेश की आम जनता के व्यापक हित में मेरी सरकार का सहयोग कर जन आकांक्षाओं को पूरा करने में अपना बहुमूल्य योगदान करेंगे तथा इस सदन की उच्च गरिमा व पवित्रता को बनाये रखेंगे।

- इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपके स्वस्थ व सुखद जीवन की मंगल कामना करते हुए आपको हार्दिक धन्यवाद देती हूँ कि आपने मुझे अपने मध्य आने और सरकार के कार्य–कलापों को प्रस्तुत करने का सुअवसर प्रदान किया।

जय हिन्द !